>

Title: Need to repair the National Highway No. 76 passing through various districts of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan.

श्री आर.के.ि◌ंसह पटेल (बांदा): माननीय सभापति जी, मैं आज एक महत्वपूर्ण विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग 76 है। प्रदेश के इलाहाबाद, विंध्याचल, चित्रकूट, खजुराहो आदि अनेक धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को यह राजमार्ग झाँसी, ग्वालियर व राजस्थान से जोड़ता है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग की हालत अत्यंत ही जर्जर व दयनीय हो गई है। आये दिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है। बुंदेलखंड के बांदा व चित्रकूट की जनता इस राजमार्ग के क्षतिग्रस्त होने पर बहुत बड़े पैमाने पर आक्रोशित है। प्रदेश के सबसे पिछड़े क्षेत्र बुंदेलखंड के विकास हेतु माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा बुंदेलखंड पैकेज की घोषणा तो की जा चुकी है, किन्तु राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत जैसे आधारभूत एवं महत्वपूर्ण कार्यों के क्रियान्वयन हेतु सरकार द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। एक तरफ तो सरकार द्वारा बुंदेलखंड के विकास की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, किन्तु बुंदेलखंड के इस राष्ट्रीय राजमार्ग को सुधारने हेतु कोई गंभीर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। अभी विगत माह पूर्व कुछ तीन महीने पहले योजना आयोग के उपाध्यक्ष द्वारा झाँसी में सभी बुंदेलखंड सांसदों की एक बैठक बुलाई गई थी जिसमें मेरे द्वारा बुंदेलखंड के और अन्य सभी सांसदों के द्वारा इस राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत तथा दोहरीकरण हेतु सुझाव दिये गये थे किन्तु अभी तक इसकी मरम्मत का कार्य नहीं किया जा सका है।

माननीय सभापति जी, इस राजमार्ग की हालत इलाहाबाद से चित्रकूट और बांदा तथा महोबा के बीच अत्यंत दयनीय हो गई है। जगह-जगह पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई हैं, बड़े-बड़े गहरे गड्ढे हो गए हैं। कहीं-कहीं तो सड़क और खेतों में अंतर नज़र नहीं आता है। एक जैसी सड़क खेतों की बराबरी में हो गई है। चित्रकूट एक पर्यटन स्थल है। यहां देश-विदेश से तमाम लोग आते-जाते हैं। इस धार्मिक नगरी में आने-जाने वालों के लिए एक ही राष्ट्रीय राजमार्ग का सहारा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि तत्काल इस राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत करवा कर दोहरीकरण करवाया जाए।